# प्रदेश में 100 नए स्टार्टअप तैयार करेगा आइआइएम

जागरण संवाददाता • लखनऊ: प्रदेश में नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) लखनऊ ने ब्लाकचेन टेक्नोलाजी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना की है। प्रदेश सरकार की स्टार्ट-इन-यूपी पालिसी के तहत यह सेंटर खुला है। यह अगले पांच वर्ष में प्रदेश में 100 नए स्टार्टअप को तैयार करेगा। शुरू में प्रदेश के तीन प्रमुख क्षेत्र गोरखपुर, लखनऊ और ग्रेटर नोएडा/मेरठ में ब्लाकचेन आधारित नवाचार को बढ़ावा देने के लिए तीन आउटरीच सेंटर्स की स्थापना करेगा। ये सेंटर्स स्थानीय स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण और

मार्गदर्शन प्रदान करेंगे, जिससे राज्य में ब्लाकचेन टेक्नोलाजी का व्यापक प्रसार हो सकेगा।

ब्लाकचेन टेक्नोलाजी एक उभरती हुई तकनीक है, जो विभिन्न क्षेत्रों में पारदर्शिता, सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है। इस तकनीक का मुख्य उद्देश्य डेटा को सुरक्षित और संग्रहित करना है। ब्लाकचेन के माध्यम से किए गए लेन-देन को

- आइआइएम लखनऊ ने ब्लाकचेन टेक्नोलाजी के लिए सेंटर आफ एक्सीलेंस की शुरुआत की
- लखनऊ, गोरखपुर, नोएडा- मेरठ में ब्लाकचेन को बढ़ावा के लिए आउटरीच की स्थापना करेगा

सार्वजनिक रूप से सत्यापित किया जा सकता है, जिससे धोखाधड़ी की संभावना कम हो जाती है। इसका उपयोग वित्तीय सेवाओं, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा, और सरकारी प्रक्रियाओं में भी किया जा रहा है। एंटरप्राइज इन्क्यूबेशन सेंटर के फैकल्टी-इन-चार्ज प्रो. आशीष दुबे ने बताया कि ब्लाकचेन तकनीक में नवाचार के लिए सेंटर आफ एक्सीलेंस और माइक्रोसाफ्ट के बीच सहयोग से नए अवसरों की पहचान होगी। नए तकनीकी समाधान विकसित किए जाएंगे। इससे तकनीकी ढांचे को उन्नत और मजबूत किया जाएगा। सेंटर आफ एक्सीलेंस स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण और विशेषज्ञों की मेंटरशिप प्रदान करेगा, जिससे वे उद्योग से जुड़ सकें, वेंचर कैपिटल फंडिंग हासिल कर सकेंगे। साथ ही ब्लाकचेन आधारित एप्लीकेशंस में अपने कौशल को निखार सकेंगे। इस पहल के तहत 50 से अधिक उद्योग और अकादमिक विशेषज्ञों का समर्थन भी मिलेगा। इस केंद्र में उद्यमियों को अपनी अभिनव विचारों को सफल और प्रभावशाली व्यवसायों में बदलने में मदद मिलेगी।